SAMPLE QUESTION PAPER - 1
Hindi B (085)
Class X (2025-26)

निर्धारित समय: 3 घंटे **अधिकतम अंक: 80**

सामान्य निर्देश:

- इस प्रश्नपत्र में चार खंड हैं - क, ख, ग और घ
- खंड क में अपठित गदयांश से प्रश्न पूछे गए हैं, जिनके उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए दीजिए।
- खंड ख में व्यावहारिक व्याकरण से प्रश्न पूछे गए हैं, आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं।
- खंड ग पाठ्यपुस्तक पर आधारित है, निर्देशानुसार उत्तर दीजिए।
- खंड घ रचनात्मक लेखन पर आधारित है आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं।
- प्रश्न पत्र में कुल 16 प्रश्न हैं, सभी प्रश्न अनिवार्य है।
- यथासंभव सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए।

खंड क - अपठित बोध

1. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।** **[7]**

संविधान लागू होने के पंद्रह वर्षों में हिन्दी को अंग्रेज़ी का स्थान ग्रहण करना था, पर ऐसा प्रतीत होता है कि राष्ट्रभाषा के विकास के लिए सरकार और जनता द्वारा जो प्रयत्न किए गए हैं वे किसी प्रकार से भी संतोषजनक नहीं हैं। कुछ नए विभागों के हिन्दी में नाम रख देने से या विश्वविद्यालयों की परीक्षाओं में हिन्दी में उत्तर देने की सुविधा से राष्ट्रभाषा हिन्दी का विकास नहीं हो सकता। आज भी हिन्दी में पत्र लिखते हुए जब हम पता लिखने बैठते हैं तो ज़रा सोच में पड़ जाते हैं कि पत्र भटकता तो नहीं रहेगा। अनेक सरकारी अथवा सार्वजनिक स्थानों पर राष्ट्रभाषा का अशुद्ध प्रयोग देखते हैं। हिन्दी का खालिस प्रयोग तो अत्यन्त दुर्लभ है। हिन्दी अध्यापकों के भी छात्रों को पढ़ाते हुए अनावश्यक स्थानों पर अंग्रेजी का प्रयोग करते देखा गया है।

1. राष्ट्रभाषा का अशुद्ध प्रयोग कहाँ-कहाँ देखने को मिलता है? (1)
   (क) पत्र लिखते हुए
   (ख) सार्वजनिक स्थानों पर
   (ग) निजी संस्थानों में
   (घ) छात्रों को पढ़ाते हुए
2. कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए:
   कथन (A): संविधान के अनुसार, हिन्दी को पंद्रह वर्षों में अंग्रेज़ी का स्थान ग्रहण करना था।
   कारण (R): राष्ट्रभाषा हिन्दी के विकास के लिए सरकार और जनता द्वारा किए गए प्रयत्न पर्याप्त रूप से प्रभावी नहीं रहे।
   विकल्प:
   (क) कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।
   (ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।
   (ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।
   (घ) कथन (A) सही है किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।
3. भारत का संविधान कब लागू हुआ था? (1)
   (क) 30 जनवरी 1950
   (ख) 15 जनवरी 1950

(ग) 25 जनवरी 1950

(घ) 26 जनवरी 1950

4. राष्ट्रभाषा के विकास की प्रक्रिया में हम किसे संतोषजनक नहीं मान सकते? (2)
5. हिन्दी में पत्र पर पता लिखते समय हम किस सोच में पड़ जाते हैं? (2)

2. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।** **[7]**

महँगाई या मूल्य वृद्धि से आज समस्त विश्व त्रस्त है। भारत बढ़ती महँगाई की चपेट में बुरी तरह से जकड़ा हुआ है। जीवनोपयोगी वस्तुओं के दाम दिन-प्रतिदिन बढ़ते जा रहे हैं, जिससे जन साधारण को अत्यन्त कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। महँगाई से देश के आर्थिक ढाँचे पर अत्यधिक दबाव पड़ रहा है। महँगाई के निर्मम चरण अनवरत रूप से अग्रसर हैं, पता नहीं वे कब, कहाँ रुकेंगे? आज कोई भी वस्तु बाज़ार में सस्ते दामों पर उपलब्ध नहीं है। समाज का प्रत्येक वर्ग महँगाई की मार को अनाहूत अतिथि की तरह सहन कर रहा है, इसका सर्वग्राही प्रभाव जीवन के प्रत्येक क्षेत्र पर पड़ रहा है। सरकारी योजनाओं पर अत्यधिक खर्च हो रहा है। अपने स्वार्थ के लिए लोगों में धार्मिक, सामाजिक तथा नैतिक मान्यताएँ पीछे छूट जाती हैं और भ्रष्टाचार का बोलबाला हो जाता है। अर्थशास्त्र की मान्यता है कि यदि किसी वस्तु की माँग उत्पादन से अधिक हो, तो मूल्यों में स्वाभाविक रूप से वृद्धि हो जाती है।

1. विश्व की सबसे बड़ी समस्या क्या है? (1)

   (क) भ्रष्टाचार

   (ख) वस्तु की माँग

   (ग) उत्पादन

   (घ) महँगाई
2. कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए:

   कथन (A): भारत में बढ़ती महँगाई से जन साधारण को कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है।

   कारण (R): महँगाई तब बढ़ती है, जब किसी वस्तु की माँग उत्पादन से अधिक हो जाती है।

   विकल्प:

   (क) कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।

   (ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।

   (ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

   (घ) कथन (A) सही है किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।
3. **माँग** का विपरीत शब्द लिखिए। (1)

   (क) देना

   (ख) बाँटना

   (ग) पूर्ति

   (घ) प्रदान करना
4. स्वार्थ का लोगों पर क्या प्रभाव पड़ता है? (2)
5. अर्थशास्त्र की मान्यता क्या है? (2)

खंड ख - व्यावहारिक व्याकरण

3. निम्नलिखित वाक्यों में से **किन्हीं चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **[4]**

   i. वह गिरता-पड़ता वहाँ पहुँच जाता। इस वाक्य में **क्रिया-विशेषण पदबंध** क्या है।

   ii. तताँरा एक **<u>नेक और मददगार</u>** युवक था। रेखांकित पदबंध का नाम लिखिए।

   iii. दूसरों की सहायता करने वाले आप महान हैं। **सर्वनाम पदबंध** छाँटिये।

   iv. मास्टर प्रीतम चंद का **<u>दुबला-पतला गठीला</u>** शरीर था। रेखांकित पदबंध का नाम लिखिए।

   v. बालक ने पुस्तक पढ़ी होगी। वाक्य में **क्रिया पदबंध** कौन सा है

4. नीचे लिखें वाक्यों में से **किन्हीं चार** वाक्यों का निर्देशानुसार रचना के आधार पर वाक्य रूपांतरण कीजिए- **[4]**

   i. बालक रोता रहा और चुप हो गया। (सरल वाक्य में)

   ii. वह फल खरीदने के लिए बाज़ार गया। (संयुक्त वाक्य में)

iii. वह वास्तव में बहुत धनी है। उसमें कुछ भी अभिमान नहीं है। (संयुक्त वाक्य में)

iv. आप द्वार पर बैठें। उसकी प्रतीक्षा करें। (मिश्र वाक्य में)

v. जब सूर्योदय हुआ तो चिड़ियाँ चहचहाने लगीं। (सरल वाक्य में)

5. **'समास' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए -** **[4]**

i. सामासिक पदों का सामान्य शब्दों की तुलना में प्रयोग कब किया जाता है? **[1]**

ii. 'कर्मधारय' समास में पूर्व पद और उत्तर पद का कार्य बताइए। **[1]**

iii. 'सत्कर्म' सामासिक पद का विग्रह कीजिए और इसके भेद स्पष्ट कीजिए। **[1]**

iv. 'वहिष्कृत' शब्द का समास विग्रह कीजिए और इसके प्रकार को समझाइए। **[1]**

v. 'मंगलवार' शब्द का समास विग्रह करते हुए भेद लिखिए। **[1]**

6. **'मुहावरे' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए -** **[4]**

i. Fill in the blanks: **[1]**

भीख माँगती बुढ़िया को देखकर मेरे मन में________। (उपयुक्त मुहावरे द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।)

ii. Fill in the blanks: **[1]**

बारिश शुरू होते ही किसान के चेहरे पर ________ लौट आई। (उपयुक्त मुहावरे द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।)

iii. 'मट्टी पलीत करना' और 'नाक कटना' में अंतर स्पष्ट करें। **[1]**

iv. 'पानी-पानी होना' का वाक्य बनाइए। **[1]**

v. "वह तो हमेशा हाथ पर हाथ धरे बैठा रहता है।" इस वाक्य का मुहावरा पहचानिए और इसका प्रयोग करें। **[1]**

खंड ग - गद्य खंड (पाठ्यपुस्तक)

7. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

जितना आज हम और तुम खर्च कर रहे हैं, उसके आधे में दादा ने अपनी उम्र का बड़ा भाग इज़्ज़त और नेकनामी के साथ निभाया है और कुटुम्ब का पालन किया है जिसमें सब मिलकर नौ आदमी थे। अपने हेडमास्टर साहब को ही देखो। एम. ए. हैं कि नहीं और यहाँ के एम. ए. नहीं, ऑक्सफोर्ड के। एक हज़ार रुपये पाते हैं; लेकिन उनके घर का इंतजाम कौन करता है? उनकी बूढ़ी माँ। हेडमास्टर साहब की डिग्री यहाँ बेकार हो गई। पहले खुद घर का इंतजाम करते थे। खर्च पूरा न पड़ता था। कर्जदार रहते थे। जब से उनकी माता जी ने प्रबंध अपने हाथ में ले लिया है, जैसे घर में लक्ष्मी आ गई है। तो भाईजान, यह गरूर दिल से निकाल डालो कि तुम मेरे समीप आ गए हो और अब स्वतंत्र हो। मेरे देखते तुम बेराह न चलने पाओगे।

i. हेडमास्टर साहब ने एम.ए. की शिक्षा कहाँ से प्राप्त की थी?

क) हिंदू विश्वविद्यालय से | ख) ऑक्सफोर्ड से

ग) दिल्ली विश्वविद्यालय से | घ) न्यूयार्क से

ii. हेडमास्टर साहब का वेतन कितना था?

क) सौ रुपए | ख) एक हज़ार रुपए

ग) चार हज़ार रुपए | घ) दो हज़ार रुपए

iii. लेखक के दादा के परिवार में कुल कितने सदस्य थे?

क) आठ | ख) नौ

ग) दो | घ) चार

iv. हेडमास्टर के घर का प्रबंध किसने अपने हाथों में ले लिया?

क) हेडमास्टर की माता जी | ख) हेडमास्टर स्वयं

ग) लेखक के बड़े भाई | घ) लेखक के दादा

v. **तुम मेरे समीप आ गए हो** से बड़े भाई साहब का क्या तात्पर्य है?

क) इनमें से कोई नहीं | ख) उम्र में बराबर हो गए हो

ग) कक्षा में एक दरज़ा नीचे हो | घ) उम्र में बराबर हो गए हो और कक्षा में एक दरज़ा नीचे हो

8. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए:** **[6]**

i. आशय स्पष्ट कीजिए- आज तो जो कुछ हुआ वह अपूर्व हुआ है। बंगाल के नाम या कलकत्ता के नाम पर कलंक था कि यहाँ काम नहीं हो रहा है। वह आज बहुत अंश में धुल गया। **[2]**

ii. **झेन की देन** पाठ में दिमाग को आराम देने के लिए **टी. सेरेमनी** का उल्लेख किया गया है, टी. सेरेमनी का वर्णन करते हुए लिखिए कि क्या हमारे देश में भी इस प्रकार का कोई उत्सव या विधि अपनाई जाती है? स्पष्ट कीजिए। **[2]**

iii. सआदत अली कौन था? उसने वज़ीर अली की पैदाइश को अपनी मौत क्यों समझा? **[2]**

iv. **तीसरी कसम के शिल्पकार शैलेन्द्र** पाठ में राजकपूर के सर्वोत्कृष्ट अभिनय का श्रेय किसे दिया गया और क्यों? **[2]**

खंड ग - काव्य खंड (पाठ्यपुस्तक)

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

चलो अभीष्ट मार्ग में सहर्ष खेलते हुए,
विपत्ति, विघ्न जो पड़ें उन्हें ढकेलते हुए।
घटे न हेलमेल हाँ, बढ़े न भिन्नता कभी,
अतर्क एक पंथ के सतर्क पंथ हों सभी।
तभी समर्थ भाव है कि तारता हुआ तरे,
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।।

i. अभीष्ट-मार्ग से क्या तात्पर्य है?

क) परंपरागत मार्ग | ख) योग्यता के अनुसार मार्ग
ग) दूसरों द्वारा बताया गया मार्ग | घ) इच्छित मार्ग

ii. विघ्न-बाधाएँ आने पर क्या करना चाहिए?

क) डर जाना चाहिए | ख) डटकर मुकाबला करना चाहिए
ग) सहर्ष मार्ग बदल लेना चाहिए | घ) पीछे हट जाना चाहिए

iii. समर्थ भाव क्या है?

क) दूसरों को हराकर जीत प्राप्त करना | ख) दूसरों की निंदा कर स्वयं की प्रशंसा करना
ग) दूसरों को सफलता दिलाकर स्वयं सफलता प्राप्त करना | घ) दूसरों को धमकाकर समर्थ बनना

iv. कवि परस्पर मेल-जोल बढ़ाने का परामर्श क्यों दे रहा है?

क) भेद-भाव न बढ़ने देने के लिए | ख) प्रेम से रहने के लिए
ग) एक ही स्थान पर रहने के लिए | घ) सभी विकल्प सही हैं

v. 'तारता हुआ तरे' - पंक्ति का क्या आशय है ?

क) दूसरों की उन्नति में सहायक होते हुए अपनी उन्नति करना | ख) विपत्ति में घबराना
ग) दूसरों की अवनति करते हुए स्वयं की उन्नति करना | घ) स्वयं तैरते हुए दूसरे को तैराना

10. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए:** **[6]**

i. मीरा कृष्ण को अपना प्रियतम मानती हैं। उनकी भक्ति में प्रेम का पुट अधिक है। सिद्ध कीजिए। **[2]**

ii. **पर्वत प्रदेश में पावस** कविता में पर्वत के प्रति कवि की कल्पना अत्यंत मनोरम है-स्पष्ट कीजिए। **[2]**

iii. कर चले हम फ़िदा गीत में **सर पर कफ़न बाँधना** किस ओर संकेत करता है? **[2]**

iv. **तुम पर करूँ नहीं कुछ संशय** काव्य-पंक्ति द्वारा कवि रवींद्रनाथ ठाकुर क्या कहना चाहते हैं? **[2]**

खंड ग - संचयन (पूरक पाठ्यपुस्तक)

11. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में दीजिए:** **[6]**

i. **हरिहर काका** के प्रति लेखक की चिंता के क्या कारण थे? एक शिक्षित व जागरूक नागरिक के रूप में उसे हरिहर काका की सहायता किस प्रकार करनी चाहिए थी? **[3]**

ii. लेखक गुरुदयाल और उनके साथियों को स्कूल जाना पसंद न होने पर भी स्काउट परेड वाला दिन अच्छा लगता था। आपको विद्यालय जाना किन कारणों से अच्छा लगता है और किन कारणों से नहीं? **सपनों के-से दिन** पाठ के संदर्भ में उत्तर लिखिए। **[3]**

iii. **टोपी शुक्ला** कहानी के पात्र इफ्फ़न की दादी की तरह आपकी दादी या नानी भी आपको प्यार करती होंगी, उसका वर्णन अपने शब्दों में कीजिए। **[3]**

खंड घ - रचनात्मक लेखन

12. **निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लिखिये:** **[5]**

i. **मेरे जीवन का लक्ष्य** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए। **[5]**
- जीवन में लक्ष्य की आवश्यकता
- आपका लक्ष्य क्या है?
- लक्ष्य क्यों हैं?
- बनकर क्या करेंगे?

ii. **लड़कियों की शिक्षा** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए। **[5]**
- भारतीय समाज में लड़कियों की स्थिति
- शिक्षा की आवश्यकता और कठिनाइयाँ
- देश का भविष्य

iii. **बड़े मॉल : रोजगार के नवीन अवसर** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए। **[5]**
संकेत-बिंदु -
- क्या है?
- अलग कैसे?
- सकारात्मक-नकारात्मक प्रभाव,
- सुझाव

13. आपके क्षेत्र में कक्षा बारहवीं के बाद की शिक्षा के लिए कोई उच्च-शिक्षण संस्थान नहीं है। घर से दूर जाकर शिक्षा ग्रहण करने में आने वाली आर्थिक और अन्य कठिनाइयों के चलते अनेक विद्यार्थी उच्च शिक्षा के लाभ से वंचित रह जाते हैं। अपने क्षेत्र में उच्च शिक्षण संस्थान खुलवाने की प्रार्थना करते हुए शिक्षा-मंत्री को लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखिए। **[5]**

अथवा

बस कंडक्टर के दुर्व्यवहार की शिकायत करते हुए मंगलापुरी डिपो के प्रबंधक को पत्र लिखिए।

14. आप **सांस्कृतिक कला केंद्र** नामक संस्था के संयोजक नंदन/नंदिनी हैं। संस्था **कबीर : एक योद्धा** नाटक का आयोजन **अभिनय भवन** में अ ब स तिथि में कर रही है। इसके विवरण सहित आमलोगों के लिए एक सूचना लगभग 80 शब्दों में तैयार कीजिए। **[4]**

अथवा

आप निवासी कल्याण संघ के/की सचिव अरुण पटनायक/अरुणा पटनायक हैं। आपकी सोसायटी में शास्त्रीय नृत्य-संगीत की कक्षाएँ शुरू होने वाली हैं। इन कक्षाओं में भाग लेने के इच्छुक लोगों के लिए एक सूचना तैयार कीजिए।

15. कोचिंग सेंटर हेतु एक विज्ञापन लगभग 25-50 शब्दों में बनाइए। **[3]**

अथवा

सैल फ़ोन विक्रेता हेतु एक विज्ञापन लगभग 25-50 शब्दों में बनाइए।

16. आपका एटीएम कार्ड खो गया है। इसकी जानकारी देते हुए बैंक खाते से किसी भी प्रकार के ऑनलाइन भुगतान और नकद निकासी पर रोक लगाने हेतु बैंक प्रबंधक को लगभग 100 शब्दों में ई-मेल लिखिए। **[5]**

अथवा

मैं और मेरी लेखनी विषय पर लगभग 100-120 शब्दों में एक लघुकथा लिखिए।

Solution

खंड क - अपठित बोध

1. 1. (ख) सरकारी अथवा सार्वजनिक स्थानों पर राष्ट्रभाषा का अशुद्ध प्रयोग देखने को मिलता है।
   2. (ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।
   3. (घ) 26 जनवरी 1950
   4. राष्ट्रभाषा के विकास के लिए सरकार और जनता द्वारा जो प्रयत्न किए गए हैं, उन्हें हम किसी भी प्रकार से संतोषजनक नहीं मान सकते।
   5. हिन्दी में पत्र पर पता लिखते समय हम इस सोच में पड़ जाते हैं कि पत्र कहीं भटकता तो नहीं रहेगा।
2. 1. (घ) विश्व की सबसे बड़ी समस्या महँगाई या मूल्य वृद्धि है।
   2. (ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।
   3. (ग) पूर्ति
   4. स्वार्थ के कारण लोगों की धार्मिक, सामाजिक तथा नैतिक मान्यताएँ पीछे छूट जाती हैं और भ्रष्टाचार का बोलबाला हो जाता है।
   5. अर्थशास्त्र की मान्यता है कि यदि वस्तु की माँग उत्पादन से अधिक हो, तो मूल्यों में स्वाभाविक रूप से वृद्धि हो जाती है।

खंड ख - व्यावहारिक व्याकरण

3. i. गिरता-पड़ता
   ii. विशेषण पदबंध
   iii. दूसरों की सहायता करने वाले आप
   iv. विशेषण पदबंध
   v. पढ़ी होगी
4. i. बालक रो-रोकर चुप हो गया।
   ii. उसे फल खरीदने थे इसलिए बाज़ार गया।
   iii. वह वास्तव में बहुत धनी है परंतु उसमें कुछ भी अभिमान नहीं है।
   iv. जब आप द्वार पर बैठें तब उसकी प्रतीक्षा करें।
   v. सूर्योदय होने पर चिड़ियाँ चहचहाने लगीं।

5. 'समास' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए -
   (i) सामासिक पदों का प्रयोग औपचारिक, साहित्यिक, और संक्षिप्त लेखन में किया जाता है, जहाँ भाषा को अधिक प्रभावशाली और व्यवस्थित बनाना हो।
   (ii) कर्मधारय समास में पूर्व पद और उत्तर पद का कार्य एक गुण, विशेषता, या संबंध को व्यक्त करना होता है।
   उदाहरण - "दुर्लभ" (दुर्लभ+ वस्तु), जहाँ "दुर्लभ" शब्द का अर्थ "जो कम मिलने वाली हो" है। इसमें "दुर्लभ" पूर्व और उत्तर पद दोनों से संबंधित है।
   (iii)
   - विग्रह: सत् + कर्म
   - भेद: यह कर्मधारय समास है, जिसमें दोनों पदों का आपसी संबंध होता है। "सत्कर्म" का अर्थ होता है अच्छे कर्म, जहां "सत्" (अच्छा) और "कर्म" (कार्य) मिलकर एक नया अर्थ उत्पन्न करते हैं।

   (iv) विग्रह: वहि + स्कृत
   प्रकार: यह तत्पुरुष समास है, जिसमें "वहि" (बाहर) और "स्कृत" (किया गया) मिलकर "वहिष्कृत" (बाहर किया गया) का अर्थ बनाते हैं।
   (v) विग्रह: मंगल + वार
   भेद: यह द्वंद्व समास है, जिसमें दोनों पद समान होते हैं। "मंगल" (सौम्य ग्रह) और "वार" (दिन) मिलकर "मंगलवार" (मंगल का दिन) का अर्थ बनाते हैं।
6. 'मुहावरे' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए -
   (i) दया उमड़ पड़ी
   (ii) खुशी की लहर
   (iii) मट्टी पलीत करना: बदनामी करना।
   नाक कटना: अपमानित होना।
   (iv) अध्यापक की डांट सुनकर वह पानी-पानी हो गया।
   (v) मुहावरा: हाथ पर हाथ धरे बैठना।
   वाक्य: यदि आप हाथ पर हाथ धरे बैठेंगे, तो जीवन में प्रगति नहीं कर पाएंगे।

खंड ग - गद्य खंड (पाठ्यपुस्तक)

7. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

जितना आज हम और तुम खर्च कर रहे हैं, उसके आधे में दादा ने अपनी उम्र का बड़ा भाग इज़्ज़त और नेकनामी के साथ निभाया है और कुटुम्ब का पालन किया है जिसमें सब मिलकर नौ आदमी थे। अपने हेडमास्टर साहब को ही देखो। एम. ए. हैं कि नहीं और यहाँ के एम. ए. नहीं, ऑक्सफोर्ड के। एक हज़ार रुपये पाते हैं; लेकिन उनके घर का इंतजाम कौन करता है? उनकी बूढ़ी माँ। हेडमास्टर साहब की डिग्री यहाँ बेकार हो गई। पहले खुद घर का इंतजाम करते थे। खर्च पूरा न पड़ता था। कर्जदार रहते थे। जब से उनकी माता जी ने प्रबंध अपने हाथ में ले लिया है, जैसे घर में लक्ष्मी आ गई है। तो भाईजान, यह गरूर दिल से निकाल डालो कि तुम मेरे समीप आ गए हो और अब स्वतंत्र हो। मेरे देखते तुम बेराह न चलने पाओगे।

(i) **(ख)** ऑक्सफोर्ड से
व्याख्या:
ऑक्सफोर्ड से

(ii) **(ख)** एक हज़ार रुपए
व्याख्या:
एक हज़ार रुपए

(iii) **(ख)** नौ
व्याख्या:
नौ

(iv) **(क)** हेडमास्टर की माता जी
व्याख्या:
हेडमास्टर की माता जी

(v) **(ग)** कक्षा में एक दरज़ा नीचे हो
व्याख्या:
कक्षा में एक दरज़ा नीचे हो

8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए:

(i) 26 जनवरी, 1931 के दिन कलकत्तावासियों ने स्वतंत्रता पाने के लिए आंदोलन किया, वह पुलिस को खुली चुनौती देकर किया गया था जो आज से पहले कभी नहीं हुआ था इसमें बहुत से लोग पुलिस की लाखियां खाकर घायल हुए, कइयों को गिरफ्तार किया गया। इसमें स्त्रियों की संख्या बहुत अधिक थी। यह सब आजादी के आंदोलन में पहली बार हुआ था। इससे कलकत्ता के नाम पर लगा वह कलंक कुछ हद तक कम हो गया, जिसमें यह कहा जा रहा था कि कलकत्तावासी स्वतंत्रता पाने के लिए कुछ भी कार्य नहीं कर रहे हैं।

(ii) "झेन की देन" पाठ में वर्णित टी सेरेमनी में प्राकृतिक और शांत वातावरण में चाजीन की गरिमापूर्ण क्रियाएँ, एक समय में तीन से अधिक व्यक्तियों का प्रवेश निषेध, और चाय को घूँट-घूँट कर पीने की प्रक्रिया शामिल है। यह व्यक्ति को भूत और भविष्य की चिंता छोड़कर वर्तमान पर ध्यान केंद्रित करने का अवसर प्रदान करती है। भारत में भी योग, ध्यान और प्राणायाम जैसी विधियाँ प्राचीन काल से अपनाई जाती हैं, जो मानसिक शांति और ध्यान केंद्रित करने में सहायक होती हैं।

(iii) सआदत अली अवध के नवाब का भाई था। अवध के नवाब आसिफ़उद्दौला की कोई संतान न होने के कारण सआदत अली का अपने भाई के बाद अवध का नवाब बनना तय था, परंतु वजीर अली के पैदा होने के बाद उसके सारे सपने खाक में मिल गए | यही कारण था कि उसने वज़ीर अली की पैदाइश को अपनी मौत समझा।

(iv) 'तीसरी कसम के शिल्पकार शैलेंद्र' पाठ में राजकपूर के सर्वोत्कृष्ट अभिनय का श्रेय फ़िल्म की पटकथा को दिया गया है। 'तीसरी कसम' फ़िल्म नहीं, सैल्यूलाइड पर लिखी कविता है जिसमें एक मार्मिक कृति को पूरी तरह से रील पर उतार दिया गया था। स्वयं राजकपूर भी अपनी अपार प्रसिद्धि को पीछे छोड़ 'हीरामन' की आत्मा में उतर गए है जो अपने आप में उनकी अभिनय कला का चरमोत्कर्ष है।

खंड ग - काव्य खंड (पाठ्यपुस्तक)

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

चलो अभीष्ट मार्ग में सहर्ष खेलते हुए,
विपत्ति, विघ्न जो पड़ें उन्हें ढकेलते हुए।
घटे न हेलमेल हाँ, बढ़े न भिन्नता कभी,
अतर्क एक पंथ के सतर्क पंथ हों सभी।
तभी समर्थ भाव है कि तारता हुआ तरे,
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।।

(i) **(घ)** इच्छित मार्ग
व्याख्या:
इच्छित मार्ग

(ii) **(ख)** डटकर मुकाबला करना चाहिए
व्याख्या:
डटकर मुकाबला करना चाहिए

(iii) **(ग)** दूसरों को सफलता दिलाकर स्वयं सफलता प्राप्त करना
व्याख्या:

दूसरों को सफलता दिलाकर स्वयं सफलता प्राप्त करना।

(iv) **(क)** भेद-भाव न बढ़ने देने के लिए
व्याख्या:
भेद-भाव न बढ़ने देने के लिए

(v) **(क)** दूसरों की उन्नति में सहायक होते हुए अपनी उन्नति करना
व्याख्या:
दूसरों की उन्नति में सहायक होते हुए अपनी उन्नति करना

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए:

(i) मीरा कृष्ण को अपना प्रियतम मानती हैं। इसलिए वह उनके सुन्दर छबीले रूप की आराधना करती हैं और कुसुंबी लाल साड़ी पहनकर आधी रात के समय उनसे यमुना तट पर मिलना चाहती हैं। इससे स्पष्ट है कि उनकी भक्ति में प्रेम का पुट अधिक है।

(ii) प्रस्तुत कविता में कवि ने पर्वत का मानवीकरण किया है अर्थात पर्वत का चित्रण एक मनुष्य के भांति किया है जैसे -

- विशालकाय पर्वत अपने पुष्प रूपी नेत्रों से तालाब रूपी दर्पण में अपने आप को देख रहा है।
- बादल के घिरने से पर्वत जैसे ओझल हो गया है और ऐसा प्रतीत होता है कि पर्वत बादलों पर अपने पंखों को फैलाकर आकाश में उड़ रहा हो।

(iii) इस गीत में कवि ने सैनिकों के संबोधन के माध्यम से देशवासियों को देश के लिए मर-मिटने की परंपरा की याद दिलाई है। कवि मानता है कि हमें कुर्बानियों के मार्ग को वीरान नहीं होने देना है।
हमें ऐसे 'काफ़िले' सजाते रहने होंगे, जो देश के लिए बलिदान करने को सदैव तत्पर रहें, क्योंकि आज़ादी के बाद आज़ादी की सुरक्षा ही परम आवश्यक है। इसके लिए हर समय हमें सचेत रहते हुए, देश के अंदर तथा बाहर, दुश्मनों को समाप्त करने के लिए मौत को गले लगाने हेतु सिर पर कफ़न बाँधकर तैयार रहना होगा और अब ये देश तुम्हारे हवाले है। तुम्हें ही इसकी रक्षा करनी है और शत्रु से बचाना है । मौत से भयभीत होने के स्थान पर उनके लिए सहर्ष तैयार होने की ओर गीत में संकेत किया है। अतः इस गीत में 'सर पर कफ़न बाँधना' मुहावरे का प्रयोग देश के लिए मर-मिटने हेतु हमेशा तैयार रहने की मानसिकता का द्योतक है।

(iv) प्रस्तुत पंक्ति द्वारा कवि कहना चाहते हैं कि मेरे जीवन में चाहे अनेक बाधाएँ आएँ, चाहे कितनी विपत्तियों से घिर जाऊँ, चाहे मैं दुःख भरी रात में समस्त संसार द्वारा छला जाऊँ। फिर भी मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि वे मुझमें इतना सामर्थ्य दें कि मैं कभी भी उन पर संदेह न कर सकूँ।

खंड ग - संचयन (पूरक पाठ्यपुस्तक)

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में दीजिए:

(i) हरिहर काका के प्रति लेखक मिथिलेश्वर की चिंता का कारण जायदाद के लालच में उनके भाइयों तथा महंत जैसे लोगों द्वारा उनके साथ दुर्व्यवहार करना था। हरिहर काका एक निःसंतान वृद्ध व्यक्ति हैं, वैसे उनका भरा-पूरा संयुक्त परिवार है। परिवार के सदस्यों को लगता है कि ये अपनी जमीन महंत के नाम न कर दें इसलिए वे उनकी सेवा करने लगते हैं परन्तु ज़मीन किसी के नाम न करने की उनकी घोषणा को सुनकर वे उनके साथ क्रूरतापूर्ण व्यवहार करने लगते हैं और महंत जबरन अंगूठे का निशान लगवा लेता है परन्तु वे उसके खिलाफ मुकदमा कर देते हैं। इस परिस्थिति में लेखक ने सक्रिय होकर उनके लिए कुछ नहीं किया जबकि हरिहर काका ने लेखक को बचपन में प्यार-दुलार दिया था और लेखक ने भी उन्हें मित्रवत प्यार दिया था। हरिहर काका को इस स्थिति से उबारने के लिए लेखक को सामाजिक रूप से व कानूनी रूप से हर संभव प्रयास करते हुए उन्हें अवसाद की स्थिति से निकालना चाहिए था।

(ii) लेखक गुरुदयाल और उनके साथियों को स्कूल जाना पसंद नहीं था पर स्काउट परेड वाला दिन उन्हें बहुत अच्छा लगता था। उस समय परेड करते समय उनके अंदर आत्मविश्वास और जोश भर जाता था। उन्हें लगता था कि वे सचमुच फौजी जवान बन गए हैं।
हमें विद्यालय जाना बहुत पसंद है क्योंकि वहाँ हमारा सर्वांगीण विकास होता है। पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद, व्यायाम, संगीत, नृत्य आदि अनेक गतिविधियाँ हमारे विद्यालय में होती हैं जो हमारे सम्पूर्ण विकास में सहायक हैं इसलिए हमें किसी दिन की अपेक्षा प्रतिदिन विद्यालय जाना पसंद है।

(iii) मेरी दादी और नानी दोनों ही मुझे बेहद प्यार करते हैं। मेरी दादी गाँव में रहती हैं। वहाँ उनके साथ मेरे चाचा-चाची और मेरे भाई-बहिन भी रहते हैं। जब मैं गर्मियों की छुट्टियों में अपनी दादी के घर जाता हूँ, तो वे मुझे बेहद लाड़-प्यार करती हैं। वे मेरे लिए खीर और रबड़ी बनाती हैं। मुझे अपने हाथों से खाना खिलाती हैं और रात में मुझे कहानी सुनाती हैं। मेरी नानी भी मुझसे बहुत प्यार करती हैं। वे मेरे साथ खेलती हैं और मेरे लिए खिलौने भी लाती हैं। वे मुझे अच्छी-अच्छी बातें सिखाती हैं। मेरी दादी और नानी दोनों ही मेरे लिए ईश्वर का दिया हुआ अनमोल उपहार हैं।

खंड घ - रचनात्मक लेखन

12. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लिखिये:

(i) **मेरे जीवन का लक्ष्य**

जीवन में निश्चित सफलता के लिए एक निश्चित लक्ष्य को होना भी अत्यंत आवश्यक है। जिस तरह निश्चित गंतव्य तय किए बिना, चलते रहने का कोई अर्थ नहीं रह जाता, उसी तरह लक्ष्य विहीन जीवन भी निरर्थक होता है।
मनुष्य का महत्वाकांक्षी होना एक स्वाभाविक गुण है। प्रत्येक व्यक्ति जीवन में कुछ न कुछ विशेष प्राप्त करना चाहता है । कुछ बड़े होकर डॉक्टर या इंजीनियर बनना चाहते हैं तो कुछ व्यापार में अपना नाम कमाना चाहते हैं। हर व्यक्ति को अपनी योग्यता एवं रुचि के अनुरूप अपने लक्ष्य का चयन करना चाहिए। जहाँ तक मेरे जीवन के लक्ष्य की बात है, तो मुझे बचपन से ही पढ़ने-लिखने का शौक रहा है, इसलिए मैं एक शिक्षक बनना चाहता हूँ। शिक्षा मनुष्य के व्यक्तित्व का विकास करती है और इस प्रक्रिया में शिक्षक की भूमिका सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण होती है।
मैं शिक्षक बनकर समाज हित में ग्रामीण क्षेत्र में नियुक्ति प्राप्त करना चाहूँगा, क्योंकि ग्रामीण क्षेत्रों में अच्छे एवं समर्पित शिक्षकों का अभाव है। एक आदर्श शिक्षक के रूप में मैं धार्मिक कट्टरता, प्राइवेट ट्यूशन, नशाखोरी आदि से बचाने हेतु सभी छात्रों का उचित मार्गदर्शन करूँगा। मैं सही समय पर विद्यालय जाऊँगा और अपना कार्य पूर्ण ईमानदारी से करूँगा। शिक्षण को प्रभावी बनाने के लिए सहायक सामग्रियों का भरपूर प्रयोग करूँगा,

साथ ही छात्रों को हमेशा अच्छे कार्य करने के लिए प्रेरित करूँगा। छात्रों पर नियंत्रण रखने के लिए शैक्षणिक मनोविज्ञान का अच्छा ज्ञान प्राप्त करूँगा। मुझे आज के समाज की आवश्यकताओं का ज्ञान है, इसलिए मैं इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु छात्रों को उनके नैतिक कर्तव्यों का ज्ञान कराऊँगा। अतः मेरे जीवन का लक्ष्य होगा आदर्श शिक्षक बनकर समाज की सेवा करना तथा देश के विकास में योगदान देना।

(ii) **लड़कियों की शिक्षा**

बालिका, जिसके जन्म पर घर में कोई प्रसन्न नहीं होता, जो जीवन भर सामाजिक कुरीतियों, भेदभाव, प्रताड़ना, उत्पीड़न, कुपोषण और शोषण का शिकार होती रहती हैं, ऐसी बालिका के लिए शिक्षा ही एक ऐसा अस्त्र बन सकता है, जो न केवल उसे उसके नैतिक, सामाजिक और शैक्षणिक अधिकारी दिलाएगी, बल्कि उसे जीवन में आने वाली कठिनाइयों के सामने एक सशक्त महिला के रूप में खड़ा करेगी, अतः बालिका के साथ शिक्षा के संबंधों को नकारा नहीं जा सकता। समाज में लड़कियों का स्थान-आज समय तेजी से बदल रहा है। पुरुषों के बराबर स्त्रियों की भी शिक्षा को प्राथमिकता दी जा रही है। सरकार द्वारा ऐसी अनेक योजनाएँ चलायी जा रही हैं, जिससे बालिकाओं के लिए निःशुल्क शिक्षा की व्यवस्था की जा सके। लोगों में जागरूकता फैलाने का काम स्वयंसेवी संस्थाएँ कर रही हैं।

शिक्षा के द्वारा ही मनुष्य विनम्रता, उदारता और सहनशीलता जैसे महान गणों को सीखता है। आज लड़कियों को शिक्षा की विशेष आवश्यकता है। शिक्षा की अनिवार्यता एवं बाधाएँ-बालिका के लिए शिक्षा अत्यन्त आवश्यक है, स्त्रियों का परिवार समाज व राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान है, बालिकाओं पर भी किसी भी देश का भविष्य निर्भर करता है क्योंकि बालिकाएँ आगे चलकर माँ बनती हैं और माँ किसी भी प्रकार की केन्द्रीय इकाई होती हैं. यदि माँ को शिक्षा प्राप्त नहीं है और वह बचपन में पोषण व अज्ञानता की शिकार हैं, तो वह एक स्वस्थ शिक्षित परिवार व उन्नत समाज को जन्म देने में विफल रहेगी. अतः बालिका के लिए शिक्षा नितांत आवश्यक है। आज बालिका शिक्षा को राष्ट्रीय आवश्यकता समझकर जोर दिया रहा है। परिणामतः बालिकाओं की स्थिति में सुधार हुआ है। आज बालिकाएँ, बालकों से किसी क्षेत्र में कम नहीं है, वे आज हर प्रतियोगी युग में तेजी से आगे बढ़ रही हैं।

सबका सहयोग-इसलिए इस कार्य के लिए माता-पिता का सहयोगी होना अत्यन्त आवश्यक है। उन्हें चाहिए कि लड़के व लड़कियों में भेदभाव न करें। बल्कि उन्हें इस कार्य का श्रीगणेश अपने-अपने घरों में ही आरम्भ करना चाहिए। जिससे हमारे देश में अशिक्षा का सूरज डूबेगा व उन्नत, विकसित, शिक्षित व सम्पन्न देश के लिए नए सूरज का उदय होगा।

(iii) **बड़े मॉल - रोजगार के नवीन अवसर**

बड़े मॉल आजकल बड़े नगरों में एक महत्वपूर्ण नगरीय विकास है। यहां अनेक प्रमुख वस्तुओं की विभाजन और बिक्री होती है, और यह समाज में नई रोजगार की अनेक अवसरों को उत्पन्न करता है। बड़े मॉल का आना नगरीय विकास में एक परिवर्तन है, जिससे लोगों के विचार में भी एक सकारात्मक परिवर्तन आया है।

बड़े मॉल अलग तरीके से विभिन्नता लाता है। यहां विभिन्न ब्रांड्स के वस्त्र, रसोईयों, इलेक्ट्रॉनिक्स, ब्यूटी उत्पादों और अन्य वस्तुओं का विकल्प होता है, जिससे लोगों को एक आलस्य जीवनशैली से बाहर निकलने का अवसर मिलता है।

इसके सकारात्मक प्रभाव के रूप में, यह नई नौकरियां पैदा करता है और उत्पादकता में वृद्धि करता है, जिससे समाज के आर्थिक स्तर पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। लोगों के बीच सामाजिक में अधिक विचारशीलता और विविधता उत्पन्न होती है, जो समृद्धि और सामाजिक सुधार में मदद करता है।

इसमें सुझाव दिया जा सकता है कि सरकार और निजी संगठनों को इस प्रकार के विशाल विपणन स्थलों के लिए और भी अधिक संरचित और प्रोत्साहित करना चाहिए। साथ ही, यहां विभिन्न संगठनों को भी आर्थिक और विकासीय समर्थन प्रदान करना चाहिए ताकि ये मॉल समाज के लिए और भी उपयुक्त हों और नई नौकरियों का विकास करें।

13. सेवा में,
माननीय शिक्षा मंत्री जी,
दिल्ली सरकार,
नई दिल्ली।
दिनांक- 6 अक्टूबर 20..

सादर नमस्ते। हमारे क्षेत्र में कक्षा बारहवीं के बाद की उच्च शिक्षा के लिए कोई संस्थान नहीं है, जिसके कारण अनेक छात्र उच्च शिक्षा से वंचित रहते हैं। यहां घर से दूर जाना भी आर्थिक और अन्य कठिनाईयों का कारगर हल है। हम आपसे विनती करते हैं कि आप हमारे क्षेत्र में एक उच्च शिक्षा संस्थान खोलने का सम्भावनाओं की जांच करें, ताकि हमारे युवाओं को उच्च शिक्षा का अवसर मिल सके और वे अपने सपनों को पूरा कर सकें।

आपकी दयालुता और संवेदनशीलता के लिए हम आपका आभारी रहेंगे।

धन्यवाद,
हरीश सिंह

अथवा

252, मंगलापुरी गाँव
मंगलापुरी, दिल्ली।
27 फरवरी, 2019
प्रबंधक महोदय,
मंगलापुरी बस डिपो,
मंगलापुरी, दिल्ली।

विषय- कंडक्टर के दुर्व्यवहार के संबंध में

मान्यवर,

मैं आपका ध्यान आपके डिपो से प्रातः 8:40 बजे चलने वाली बस के कंडक्टर के दुर्व्यवहार की ओर ले जाना चाहता हूँ। यह बस धौला कुआँ, लाजपतनगर,

आश्रम होते हुए मुद्रिका के रूट पर चलती है। बस का नंबर DL8 AP 0726 है। मैं नारायणा से लाजपत नगर प्रतिदिन जाता हूँ। मैं उस दिन अपनी नियत समय की बस न पकड़ सका। लगभग 08:55 पर इस बस में मैं नारायणा से सवार हुआ। कंडक्टर ने मुझे टिकट दिया और पचास रुपये में से बचे पैसे टिकट के पीछे लिख दिया। नारायणा से चलने के बाद यह बस सीधे धौला कुआँ स्टैंड पर रुकी। बीच के स्टैंड पर सवारियाँ होने पर भी ड्राइवर ने न बस रोकी, न कंडक्टर ने रुकने का संकेत दिया। इस तरह वह सरकारी राजस्व का नुकसान करता जा रहा था। उसके इस कृत्य का जब मैंने विरोध किया तो वह मुझसे झगड़ने लगा और झगड़ता तथा गाली-गलौच करता हुआ लाजपत नगर तक गया। उसने मेरे बचे पैसे भी वापस नहीं किया और जिस टिकट पर शेष राशि लिखी था, उसे फाड़कर फेंक दिया। आपसे प्रार्थना करता हूँ कि ऐसे बदतमीज कंडक्टर के विरुद्ध कठोर कार्यवाही करने की कृपा करें ताकि भविष्य में वह अन्य यात्रियों के साथ ऐसा दुर्व्यवहार न कर सके।

सधन्यवाद।

भवदीय

रामाशीष

14.

सांस्कृतिक कला केंद्र
अभिनय भवन

प्रिय सदस्यों,

नमस्ते! हम संख्यालगार के रूप में "कबीर: एक योद्धा" नाटक का आयोजन कर रहे हैं, जो आने वाले तारीख 24/09/2023 में अभिनय भवन में होगा। यह नाटक हमें कबीर जी के जीवन, दर्शन और उनकी लड़ाई के महत्वपूर्ण पहलुओं के बारे में जानने का अवसर देगा। हम आपका स्वागत करते हैं और आपकी भागीदारी का आमंत्रण देते हैं। आइए इस सांस्कृतिक अनुभव में भाग लें और इस नाटक का आनंद लें!

धन्यवाद,

नंदन/नंदिनी

संयोजक, सांस्कृतिक कला केंद्र

अथवा

कल्याण संघ, सोसायटी
सूचना

8/10/2023

शास्त्रीय नृत्य-संगीत कक्षा

सभी लोगों को सूचित किया जाता है कि हमारी सोसायटी में शास्त्रीय नृत्य संगीत कक्षाएँ शुरु की जा रही हैं। यहाँ हम सभी उम्र के लोगों को नृत्य सिखाने का इंतजाम किया गया है। आने वाले दिनों में, राज्य स्तर पर शास्त्रीय नृत्य संगीत की प्रतियोगिताएँ भी होने वाली हैं। हम इस उद्देश्य के साथ शास्त्रीय नृत्य संगीत को बढ़ावा देने के लिए कक्षाएँ शुरू कर रहे हैं।

आप सभी से अनुरोध है कि आप भी इस अवसर का लाभ उठाएँ और इस सांस्कृतिक प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए तैयार रहें। हम सभी का सहयोग आवश्यक है ताकि यह प्रयास सफल हो सके।

इच्छुक व्यक्ति दिए गए पते पर संपर्क करें:

दिनांक एवं समय: 8/10/2023 से 14/10/2023 तक

समय प्रात: 9 बजे से 5 बजे तक

स्थान: सोसायटी हॉल

मुख्य आकर्षण: रविवार को मुफ़्त प्रदर्शन

सचिव

अरुण पटनायक

15.

सभी कक्षाओं के लिए
तृप्ति कोचिंग सेंटर

कक्षा 6 से 10 तक सोमवार, बुधवार, शुक्रवार	कक्षा 11वीं से 12वीं तक मंगलवार, वीरवार, शनिवार

तृप्ति कछवाहा

फोन: 788888xxxx

ईमेल: tripti@cochingcentre.com

अथवा

फ़ोन....... फ़ोन....... फ़ोन

ड्यूल सिम फ़ोन सिर्फ़ और सिर्फ़ रू 7,800/-	फ्रंट कैमरा 4 जी बी इंटरनल मेमोरी

जीवो फ़ोन

16. प्रेषक (From) : rajan@gmail.com

प्रेषिती (To) : sbiraipur@gmail.com

विषय : बैंक खाते से किसी भी प्रकार के ऑनलाइन भुगतान और नकद निकासी पर रोक लगाने हेतु।

बैंक प्रबंधक महोदय,

मेरा नाम राजन है। पिता का नाम- रघुवीर सिंह, माता का नाम- बिनती देवी है। मैं आपके बैंक का एक नियमित खाताधारक हूं। मेरा एक बचत खाता आपके बैंक एसबीआई, शाखा- राजेन्द्र नगर, रायपुर (छ.ग.) से संचालित है। खाता न.- 88247xxxxx56 है। मुख्य रूप से सादर सूचनार्थ यह है कि मेरा एटीएम कार्ड कहीं खो गया है। आपसे निवेदन है कि मेरे बैंक खाते से किसी भी प्रकार के ऑनलाइन भुगतान और नकद निकासी पर रोक लगा दी जाए। ताकि मेरे खाते से कोई गड़बड़ी न हो सके। इस कार्य हेतु मैं सदा आपका आभारी रहूंगा।

सधन्यवाद!

भवदीय

राजन

वार्ड न.- 07, दत्ता कॉलोनी,

राजेन्द्र नगर, रायपुर (छ.ग.)।

5 जून, 2024

अथवा

मैं और मेरी लेखनी

आज अलमारी की सफाई करते हुए हमें वह लेखनी मिली जो मुझे मेरे पिताजी ने उस समय भेटस्वरूपी थी जब कक्षा 6 में मैंने कलम से लिखना शुरु किया था, कलम के हाथ में आते ही मुझे महसूस हुआ कि मानो मेरी लेखनी मुझसे कह रही कि मैं उसे भूल गई हो, आज मेरे पास रंग-बिरंगे तरह-तरह के कलम है, लेकिन इस लेखनी के आगे मुझे सब फीके-फीके लग रहे थे। उस लेखनी का जादू सिर पर चढ़कर बोल रहा था क्योंकि उसी लेखनी से परीक्षा देकर ही मन कक्षा में सर्वोच्च अंक प्राप्त किए थे। मैंने उसे हाथों के स्पर्श से सहलाया उसकी धूल पोंछी और दवात से स्याही निकाली और उसमें डाल दी, स्याही पड़ते ही मैने अपना गृहकार्य किया। आज उस कलम से लिखे हुए शब्द मुझे ऐसे प्रतीत हुए कि मानो मैंने उस कलम की नाराजगी दूर कर दी और वह फिर से मुस्कराने लगी। मुझे विश्वास हो गया कि मैं और मेरी लेखनी मिलकर फिर चमत्कार करेंगे और जीवन में नयी उपलब्धियाँ प्राप्त करेंगे।